SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Environmental Engineer

पर्यावरण इंजीनियर हवा, पानी और मिट्टी को प्रदूषण से बचाने की तकनीकें बनाते हैं - जल शोधन, कचरा प्रबंधन और स्वच्छ ऊर्जा। जलवायु संकट के दौर में यह तेजी से उभरता करियर है।

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/eng-4618

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

पर्यावरण इंजीनियर हवा, पानी और मिट्टी को प्रदूषण से बचाने की तकनीकें बनाते हैं - जल शोधन, कचरा प्रबंधन और स्वच्छ ऊर्जा। जलवायु संकट के दौर में यह तेजी से उभरता करियर है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	पी.सी.एम./पी.सी.बी. में 12वीं + बी.टेक या डिप्लोमा
कार्य-शैली	ऑफिस, लैब व फील्ड साइट - मिला-जुला
माँग	बढ़ती - ई.एस.जी., जल शोधन व स्वच्छ ऊर्जा में
शीर्ष कमाई	वरिष्ठ सलाहकार/वैज्ञानिक: ₹1.5-2.5 लाख/माह

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- पर्यावरण व प्रकृति की चिंता
- टीम में मिलकर काम करना
- विज्ञान से समस्याएं सुलझाना

क्षमताएँ

- विश्लेषण व समाधान की सोच
- बारीकियों पर ध्यान
- मजबूत संवाद कौशल

ज़रूरी कौशल

- जल व अपशिष्ट जल शोधन तकनीक
- ठोस कचरा प्रबंधन
- जी.आई.एस. व निगरानी उपकरण
- रिपोर्ट लेखन व प्रस्तुति
- वायु प्रदूषण नियंत्रण
- पर्यावरण प्रभाव आकलन (ई.आई.ए.)
- पर्यावरण कानून की समझ

4 कैसे पहुँचें

1. फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स/बायोलॉजी के साथ 10+2 पास करें।
2. जे.ई.ई. मेन/रीप से पर्यावरण या सिविल इंजीनियरिंग में बी.टेक/बी.ई. करें, या पॉलिटेक्निक डिप्लोमा लें।
3. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, एन.जी.ओ. या कंसल्टेंसी में इंटर्नशिप करें।
4. गेट देकर एम.टेक (पर्यावरण इंजीनियरिंग) से विशेषज्ञता पाएं।
5. सरकारी बोर्ड, उद्योग या शोध संस्थान में नौकरी शुरू करें।

प्रमुख परीक्षाएँ

- जे.ई.ई. मेन / जे.ई.ई. एडवांस्ड
- गेट (पर्यावरण विज्ञान व इंजीनियरिंग)
- रीप (राजस्थान)
- राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भर्ती परीक्षाएं

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- MNIT Jaipur (Civil/Environmental) — जयपुर, राजस्थान (https://www.mnit.ac.in)
- MBM University — जोधपुर, राजस्थान
- Rajasthan Technical University (RTU) — कोटा, राजस्थान
- IIT Jodhpur — जोधपुर, राजस्थान (https://iitj.ac.in)
- IIT Roorkee — रुड़की, उत्तराखंड
- NIT Kurukshetra — कुरुक्षेत्र, हरियाणा

निजी संस्थान

- Singhania University (Diploma) — झुंझुनूं, राजस्थान
- University of Technology (Diploma) — जयपुर, राजस्थान
- Manipal University Jaipur — जयपुर, राजस्थान

ऑनलाइन

- NPTEL/SWAYAM (Environmental Engineering courses) — ऑनलाइन (https://nptel.ac.in)

फ़ीस

सरकारी संस्थानों में पूरा कोर्स लगभग ₹50,000-4 लाख; निजी में ₹3-12 लाख। डिप्लोमा सस्ता; संस्थान अनुसार भिन्न।

छात्रवृत्तियाँ

- National Scholarship Portal (https://scholarships.gov.in)
- Vidya Lakshmi Education Loan Portal (https://www.vidyalakshmi.co.in)
- Buddy4Study (https://www.buddy4study.com)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, नगर निगम, जल शोधन संयंत्र, कंसल्टेंसी, उद्योग (सीमेंट, पेट्रोकेमिकल), एन.जी.ओ. व शोध संस्थान।

कार्य-संस्कृति

रोजाना करीब 8 घंटे; ऑफिस-लैब के साथ फील्ड दौरे। जरूरत पर ओवरटाइम या शिफ्ट। दिव्यांगों के लिए अवसर मौजूद हैं।

कौन नौकरी देता है

- केंद्रीय/राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
- पर्यावरण कंसल्टेंसी (ई.आर.एम., रैम्बोल आदि)
- स्वच्छ ऊर्जा व जल-शोधन कंपनियां (वा टेक वाबैग आदि)
- नगर निगम व जल विभाग
- सीमेंट, खनन व पेट्रोकेमिकल कंपनियां
- सी.एस.आई.आर.-नीरी जैसे शोध संस्थान

माँग (2026)

2026 में ई.एस.जी. नियम, स्वच्छ भारत, नमामि गंगे व नेट-जीरो लक्ष्यों से मांग लगातार बढ़ रही है; राजस्थान में सौर व जल परियोजनाएं अवसर बढ़ा रही हैं।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. पर्यावरण इंजीनियरिंग तकनीशियन
2. पर्यावरण इंजीनियर
3. पर्यावरण स्वास्थ्य व सुरक्षा (ई.एच.एस.) अधिकारी
4. अनुपालन निरीक्षक / परियोजना अधिकारी
5. प्रोफेसर / वैज्ञानिक / वरिष्ठ सलाहकार

कमाई

शुरुआत	₹20,000-35,000
मध्य स्तर	₹45,000-90,000
वरिष्ठ स्तर	₹1,00,000-2,50,000

मासिक वेतन; सरकारी बोर्ड, कंसल्टेंसी व उद्योग में अलग-अलग। 2026 स्तर, सांकेतिक।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- समाज व पर्यावरण के लिए सार्थक काम
- ई.एस.जी. के दौर में बढ़ते अवसर
- सरकारी व निजी दोनों क्षेत्रों में राह

चुनौतियाँ

- कोर आई.टी. की तुलना में शुरुआती वेतन कम
- फील्ड व प्रदूषित स्थलों पर काम
- नियम-कागजी प्रक्रियाएं धीमी हो सकती हैं

9 असल ज़िंदगी की कहानियाँ

Dr. Rakesh Kumar
पूर्व निदेशक, सी.एस.आई.आर.-नीरी (राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान)

नागपुर विश्वविद्यालय से पर्यावरण इंजीनियरिंग में पी.एच.डी. करने वाले डॉ. राकेश कुमार देश के शीर्ष पर्यावरण संस्थान नीरी के निदेशक बने। वायु गुणवत्ता और अपशिष्ट जल के पुनर्चक्रण पर उनके काम ने भारत के शहरों में बड़ा बदलाव लाया।

Bureau of Indian Standards (Govt. of India) · https://www.bis.gov.in/wp-content/uploads/Dr.-Rakesh-Kumar1.pdf

Dr. Parul Baranwal
जल गुणवत्ता कार्यक्रम प्रबंधक (पर्यावरण इंजीनियर)

भारत में पली-बढ़ीं पारुल ने गेट में शीर्ष रैंक पाकर आई.आई.टी. रुड़की से पढ़ाई की और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में जल गुणवत्ता निरीक्षण किया। फिर पर्यावरण इंजीनियरिंग में पी.एच.डी. कर अमेरिका में वंचित समुदायों को साफ पानी दिलाने में जुटी हैं।

Empowering Women in Industry · https://www.empoweringwomeninindustry.com/post/meet-dr-parul-baranwal

10 अगर यह रास्ता न बने तो

एक परीक्षा या एक प्रयास से रास्ता बंद नहीं होता। इन्हीं विषयों से ये रास्ते भी खुलते हैं — इनमें प्रवेश आमतौर पर आसान होता है और आगे चलकर इसी क्षेत्र में लौटा जा सकता है।

- मैकेनिकल इंजीनियर
- इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर
- सिविल इंजीनियर

11 स्रोत व आगे पढ़ें

1. राजस्थान करियर मार्गदर्शन: पर्यावरण इंजीनियर — https://cg.rajasthan.gov.in/careerguidance/hi/career/%e0%a4%aa%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a4%a3-%e0%a4%87%e0%a4%82%e0%a4%9c%e0%a5%80%e0%a4%a8%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a4%b0-environmental-engineer/

2. ए.आई.सी.टी.ई. — https://www.aicte-india.org

3. एन.पी.टी.ई.एल. (मुफ्त ऑनलाइन कोर्स) — https://nptel.ac.in

4. राष्ट्रीय करियर सेवा (एन.सी.एस.) — https://www.ncs.gov.in

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in